Hindi Murli Quiz 09-04-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --**

	Choice		Match
A	हम सब किचड़े के डिब्बे में पड़े हुए थे,	1	वह कभी अपना आसुरी स्वभाव नहीं दिखायेंगे।
B	अभी हमको परमात्मा ने शूद्र से ब्राह्मण बनाया है।	2	क्योंकि तुम ईश्वरीय सन्तान हो।
C	ब्राह्मणों को पुरूषोत्तम नहीं कहेंगे।	3	बाप ने आकर उस किचड़े से निकाल एडाप्ट किया है ।
D	यह है तुम्हारा अमूल्य जीवन,	4	ब्राह्मण यहाँ पुरूषार्थ करते हैं पुरूषोत्तम [देवता] बनने के लिए।
E	जो नई दुनिया में ऊंच पद पाने वाले हैं,	5	कल्प-कल्प, कल्प के संगमयुगे हम ब्राह्मण बनते हैं।

Q.2) **"मीठे बच्चे -अभी तुम ---------बनने का पुरूषार्थ करते हो, ---------हैं देवतायें, क्योंकि वह हैं पावन, तुम पावन बन रहे हो ।"**
[एक सबसे सटीक उत्तर से दोनों रिक्त स्थान भरें]

A. फरिश्ता
B. ब्रह्मण
C. पुरुषोत्तम

Q.3) **"----------जो होंगे वह राजा-रानी बनेंगे,----------कम पद पायेंगे। साहूकारों में भी ----------और ---------- होंगे। दास-दासियों में भी ----------और ---------- होंगे। सीनियर वालों का दर्जा ऊंच होता है। झाड़ू लगाने वाली दासी को कभी अन्दर महल में आने का हुक्म नहीं रहता।"**
[निम्नलिखित जोड़ों में एक सबसे सटीक जोड़ा चयन करके तीन रिक्त स्थान के जोड़े भरें]

A. जूनियर-जूनियर
B. सीनियर-जूनियर
C. जूनियर-सीनियर
D. सीनियर-सीनियर

Q.4) **"मन को प्रभु की अमानत समझकर उसे सदा ---------- में लगाओ, शुभचिंतन करो।"**
[एक सबसे सटीक उत्तर से रिक्त स्थान भरें]

A. व्यवसाय
B. भजन-कीर्तन
C. श्रेष्ठ-कार्य
D. मनन-चिन्तन

Q.5) **"भक्त लोग कृष्ण पर कितना न्योछावर जाते हैं। अभी तुमको बाप पर न्योछावर होना है। पहले-पहले शुरू में शिवबाबा पर कितने न्योछावर हुए। ढेर के ढेर आये। जब इन्डिया में आये तो बहुतों को अपना घरबार याद पड़ने लगा। कितने चले गये। ग्रहचारी तो बहुतों पर आती है ना। कभी कैसी दशा, कभी कैसी दशा बैठती है।"**

A. False
B. True

Q.6) **सभी सही वाक्यों का चयन करें------**

A. अभी यह नाटक पूरा होता है। पुरानी दुनिया से वैराग्य होना चाहिए, बुद्धियोग शान्तिधाम-सुखधाम में रहे।
B. बाप कहते हैं अपना कल्याण करने के लिए दैवीगुण धारण करो ।
C. लॉ कहता है पिछाड़ी में शिवबाबा की याद में ही शरीर छोड़ना है। कहाँ भी आसक्ति न हो। यह प्रैक्टिस करनी होती है ।
D. भगवान आये हैं राजयोग सिखला रहे हैं, भगवान में निश्चय हो तो वर्सा लेने लग पड़ें, फिर भक्ति भी उड़ जाए ।
E. आत्मा अपना मित्र है, अपना ही शत्रु है।

Q.7) **वरदान पर आधारित इस मैचिंग एक्सरसाइज बहुत ध्यान से करें ---**

	Choice		Match
A	सन्तुष्टता की निशानी --	1	सर्व ब्राह्मणों की सदा प्रसन्नता है।
B		2	

	जो सदा सन्तुष्ट वा प्रसन्न रहते हैं --		तब प्रत्यक्षता का आवाज गूंजेगा।
C	सदा सन्तुष्ट और प्रसन्न रहने का विशेष वरदान -	3	स्वयं भी लो और औरों को भी दो।
D	इस यज्ञ की अन्तिम आहुति-	4	उनकी सब प्रशन्सा करते हैं।
E	जब सभी सदा प्रसन्न रहेंगे,	5	प्रत्यक्ष रूप में प्रसन्नता दिखाई देगी।

Q.8) **आज की धारणा के आधार पर केवल सही वाक्य ही चयन करें --**

A. देवता बनने के लिए बहुत रॉयल संस्कार धारण करने हैं।
B. अपने से जो जूनियर हैं, उनके साथ रौब में रहना है।
C. अपना कल्याण करने के लिए दैवीगुण धारण करने हैं।
D. खान-पान बहुत शुद्ध और साधारण रखना है। लालच नहीं करनी है।
E. सबके साथ बहुत प्यार से चलना है।

Q.9) **वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही जोड़ें ---**

	Choice		Match
A	तुम भण्डारे में भी योग में रहकर भोजन बनाओ,	1	तो बहुतों का कल्याण भरा हुआ है।
B	तुम्हें जरूर दैवीगुण धारण करने हैं।	2	बाप नहीं देते हैं, तुम अपने पुरूषार्थ से पाते हो।
C	36 प्रकार के भोजन बनते हैं, फिर भी देवतायें खाते थोड़ा हैं।	3	तुम्हारा खान पान बोल चाल बहुत रॉयल होना चाहिए।
D	अच्छी रीति पढ़ेंगे, पढ़ायेंगे तो तुमको ही इज़ाफा मिलेगा।	4	रिगार्ड नहीं रखते तो अपने ऊपर पाप का बोझा चढ़ाते हैं।
E	महारथी बच्चों का रिगार्ड रखो।	5	खान-पान की लालच रखना भी आसुरी चलन कहा जाता है।

Q.10) **"यहाँ के राजाओं को इतने दास-दासियाँ हैं, तो सतयुग में कितने ढेर होंगे। सब पर अलग-अलग अपनी चार्ज होती है। रहने का स्थान अलग होगा। वह कोई राजा-रानी जैसे सजाया हुआ नहीं होगा। जैसे सर्वेन्ट क्वार्टर्स होते हैं ना। अन्दर आयेंगे जरूर परन्तु रहते सर्वेन्ट क्वार्टर्स में हैं। तो बाप समझाते हैं अपने पर रहम करो और ऊंचे ते ऊँचा बनो।"**

A. False
B. True